हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 140 देहरादून, सोमवार, 21 नवंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मॉर्निंग वॉक में मुख्यमंत्री धामी ने सरकार का फीडबैक जाना 3

हेली सेवा विस्तार और आगामी यात्रा सीजन में अच्छी सुविधा देंगे : दिलीप जावलकर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 नवंबर। उत्तराखंड के सचिव नागरिक उड्डयन दिलीप जावलकर की अध्यक्षता में नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण में उत्तराखण्ड राज्य में हेली सेवा के विस्तार व आगामी यात्रा सीजन में यात्रियों को अच्छी सुविधा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में यूकाडा के अधिकारियों एवं हैली कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बैठक में हेलीकॉप्टर एवं यात्रियों की सुरक्षा के मध्यनजर विभिन्न सुझाव प्राप्त किये गये जिसमें मुख्यतः मौसम विभाग के द्वारा श्री केदारनाथ में सब स्टेशन लगाये जाने व केदार वैली में विभिन्न स्थानों पर कैमरे लगाते हुए उनको नेटवर्क के माध्यम से वास्तविक समय की सूचना देने के संबंध में सहमति प्राप्त की जानी है। इस हेतु डीजीसीए से तकनीकी सलाह लेते हुए उनका मूल्यांकन अगले यात्रा सीजन से पूर्व करने का निर्णय लिया गया। हेलीपैड की सुरक्षा हेतु श्री केदारनाथ में प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी को लाने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह से अग्निशमन की व्यवस्था भी प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी के माध्यम से किये जाने का निर्णय लिया गया। देहरादून - श्री केदारनाथ - श्री बद्रीनाथ के मध्य डायरेक्ट शटल सेवा चलाने का ऑफर उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण द्वारा दिया जायेगा और ऑपरेटर जो उक्त सेवा चलाये जाने हेतु इच्छुक हो से आगे आने की अपील की गयी। डीजीसीए से यदि उक्त रुट स्वीकृत हो जाता है तो यात्रियों को सहस्त्रधारा हेलीपैड से श्री केदारनाथ एवं श्री बद्रीनाथ जाने की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी।

बैठक में टिकट बुकिंग में आने वाली समस्याओं एवं ब्लैक मार्केटिंग की शिकायतों के मध्यनजर हेलीकॉप्टर कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा कस्टमर केयर सॉफ्टवेयर चलाने हेतु अनुरोध किया गया। जिसे स्वीकार करते हुए सचिव नागरिक उड्डयन द्वारा यूकाडा को इसके सम्बन्ध में ससमय आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। ब्लैक मार्केटिंग को अगले यात्रा सीजन में सख्ती से रोका जायेगा इस हेतु बुकिंग पोर्टल में आवश्यक परिवर्तन करने के निर्देश दिये गये हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अगले सीजन में प्रत्येक हेलीपैड/हैलीपोर्ट पर कैमरे लगाये जायेंगे। यूकाडा एवं जीएमवीएन के स्टाफ द्वारा टिकट पर उल्लिखित पहचान पत्र का सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जायेगा। सचिव नागरिक उड्डयन द्वारा सहस्त्रधारा में निर्माणाधीन 500 सिटिंग क्षमता के अत्याधुनिक हैलीड्रोम का निरीक्षण किया गया एवं यह कार्य अगले यात्रा सीजन से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिये गये अन्तर्राष्ट्रीय मानकों का यह हैलीड्रोम अत्याधुनिक एयरपोर्ट की तर्ज पर बनाने का कार्य त्वरित गति से किया जा रहा है।

बैठक के दौरान सभी ऑपरेटरों द्वारा अत्यधिक वीआईपी आवागमन के चलते टिकटिंग व संचालन में हो रही असुविधा से यूकाडा के अधिकारियों को अवगत कराया गया है। यूकाडा के स्तर इस वर्ष देहरादून से श्री बद्रीनाथ, देहरादून से श्री केदारनाथ, श्री केदारनाथ वैली से श्री बद्रीनाथ, गौचर से श्री केदारनाथ इत्यादि अतिरिक्त रूट यात्रा के दौरान संचालित करने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बन्ध में यूकाडा अपने स्तर से प्रस्ताव का परीक्षण कर शासन को यथासमय उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में बताया गया कि इस बार लगभग 136646 लोगों द्वारा हेली सेवा के माध्यम से यात्रा सम्पन्न की गयी। यात्रियों की सुविधाओं के दृष्टिगत सभी हैली ऑपरेटरों को अपने-अपने हेलीपैड पर इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने के भी निर्देश सचिव नागरिक उड्डयन द्वारा दिये गये।

संस्कार, नैतिकता व शिष्टाचार हमें स्वयं से ही करनी होगी शुरु ऋतु खण्डूड़ी : विधानसभा अध्यक्ष

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार, 20 नवंबर। शास्त्रों में हिंदुओं के लिए 16 संस्कार बताए गए हैं और विवाह सबसे महत्वपूर्ण संस्कारों में से एक है। कोटद्वार में भारत विकास परिषद के द्वारा सामूहिक सरल कन्या विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 4 जोड़ों ने एक-दूजे का हाथ थामा और अग्नि के सात फेरे लेकर सात जन्मों तक साथ रहने का वचन लिया। सामूहिक विवाह समारोह में उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

भारत विकास परिषद के द्वारा गाड़ीघाट में स्थित एक वैडिंग प्वाईंट में सामूहिक सरल कन्या विवाह समारोह का आयोजन किया गया।जिसके अन्तर्गत आर्थिक रूप से कमजोर 4 कन्याओं का विवाह धूमधाम से किया गया। वैदिक मंत्रोचार के साथ धार्मिक रीति रिवाज से चारो कन्याओं का विवाह कार्य सम्पन्न कराया गया।संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि बहुत से गरीब परिवार की लड़कियों की शादी पैसों के कारण धूमधाम से नहीं हो पाती है। ऐसी ही कन्याओं की शादी का बीड़ा भारत विकास परिषद उठाता है और उनके सुखी भविष्य जीवन की मंगल कामना के साथ उनकी शादियां करवाता है।शादी में वैवाहिक जोड़े को घर के सामान सहित कई उपहार भेंट स्वरूप दिए गए। इस मौके पर कलावती मनीष कुमार, संगीता राजकुमार, यामिनी हिमांशु एवं मीनाक्षी मुकुल संग वैवाहिक संस्कार विधिवत संपन्न हुआ।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत विकास परिषद संस्था समर्पण, संपर्क, सहयोग, संस्कार और सेवा के लिए समाज में अभूतपूर्व कार्य कर रही है जिसके लिए उन्होंने संस्था की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आधुनिकता की चकाचौंध में हमें अपनी संस्कृति, सभ्यता व संस्कारों को दरकिनार नहीं करना चाहिए। युवा पीढ़ी में संस्कार, नैतिकता व शिष्टाचार की कमी न हो, इसके लिए हमें स्वयं से ही शुरुआत करनी होगी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज हमारी बेटियां पढ़ जाएंगी, तो वह अपने स्वयं के विकास के साथ-साथ दो परिवारों को भी शिक्षित करेंगी। जब हम एक आदमी को शिक्षित करते हैं, तो सिर्फ एक आदमी को ही शिक्षित करते हैं, लेकिन जब किसी महिला को शिक्षित करते हैं, तो एक पीढ़ी को शिक्षित करते हैं"। उन्होंने कहा कि बेटियां हमारी ताकत और गुरुर हैं, उनकी उम्मीदों को भी पंख भी लगे हैं, ऐसे में अभिभावक उन्हें उड़ान भरने का अवसर दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के उस वर्ग को सोते से जगाया है, जो दशकों से समाज की तुष्टिकरण का शिकार था, आज देश की बेटियों के पास सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने का स्वर्णिम अवसर है।

इस अवसर पर आरएसएस के जिला संचालक विष्णु जी, जिला प्रचारक राहुल जी, नगर कारवाह प्रशांत जी, कार्यक्रम के संयोजक कैलाश चंद्र अग्रवाल, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष राकेश ऐरन, सुनील गुप्ता, सेवकराम मनुजा, श्याम सुंदर अग्रवाल, राजेंद्र जखमोला, राकेश मित्तल, तोलराम पांथरी, प्रदीप अग्रवाल, कृष्ण सिंघानिया, राजदीप माहेश्वरी, मीनाक्षी शर्मा, सुनीता ऐरन, निधि गुप्ता, पूनम नैथानी सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

ज्ञान की बात : आपको अपने दिन की शुरुआत पपीते के पानी से करनी चाहिए, जानिए क्यों

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अच्छे स्वास्थ्य के लिए पपीता जैसे ताजे फलों के अनगिनत लाभों के बारे में हम सभी जानते हैं, लेकिन हम में से बहुत से लोग पपीते के पानी के लाभों के बारे में नहीं जानते होंगे। पपीते के फायदों के बारे में नहीं जानते ज्यादातर लोग! यहां जानिए कैसे बनाएं पपीते का पानी!

लेकिन जब आप ताजे फल खा सकते हैं तो पानी क्यों लें?

यहीं पर लाइकोपीन की मात्रा एक भूमिका निभाती है। हालांकि कच्चे फलों का सेवन करना उनके फाइबर सामग्री के लाभों का लाभ उठाने के लिए सबसे अच्छा है, कुछ मामलों में खाना पकाने से कुछ सुरक्षात्मक यौगिकों के स्तर में वृद्धि होती है। ऐसा ही मामला पपीते में लाइकोपीन का है जो थर्मो-स्टेबल है

इसे लेने का सबसे अच्छा समय कौन सा है?

यदि आपको वजन घटाने के लिए इस फल का लाभ प्राप्त करना है, तो पपीते के पानी का सेवन सुबह जल्दी करें क्योंकि यह आंतों की सामग्री को साफ करने और शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। इस पेय में पपीते के क्यूब्स भी शामिल करने का प्रयास करें, क्योंकि वे लाभ में वृद्धि करेंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि पपीते के क्यूब्स की कोशिका भित्ति उबलने पर खुल जाती है, लाइकोपीन जैसे एंटीऑक्सिडेंट को छोड़ देती है और इसके एंटी-न्यूट्रिएंट्स को नष्ट कर देती है। हालाँकि कोई भी फल पानी (इन्फ्यूज्ड वॉटर पर डिटॉक्स वॉटर) दिन के किसी भी समय लिया जा सकता है, लेकिन सुबह खाली पेट पपीते का पानी पीने से अधिकतम लाभ मिलेगा। यह इसमें पपैन एंजाइम की उपस्थिति के कारण होता है, जो आंत के अनुकूल होता है और आंतों के मार्ग से विषाक्त पदार्थों को निकालता है

नए बीसीसीआई चयन पैनल के बाद, प्रत्येक प्रारूप के लिए एक अलग भारतीय कप्तान?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की रात को एक और निराशाजनक टी20 विश्व कप अभियान के बाद सभी चार वरिष्ठ पुरुषों के राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को बर्खास्त करने का फैसला किया।बीसीसीआई सचिव जय शाह ने 28 नवंबर की समय सीमा के साथ पांच पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए। चेतन शर्मा के नेतृत्व वाले पैनल, जिसमें देबाशीष मोहंती, हरविंदर सिंह और सुनील जोशी शामिल थे, चयनकर्ताओं के रूप में दो साल पूरे करने से एक महीने दूर थे।बीसीसीआई के नए संविधान के मुताबिक कोई व्यक्ति क्रिकेट समिति में पांच साल तक सेवा दे सकता है। इस साल की शुरुआत में जब अबे कुरुविला का कार्यकाल समाप्त हुआ तो बीसीसीआई ने किसी को नियुक्त नहीं किया था।यह कदम भारतीय क्रिकेट में आसन्न बदलाव लाने की दिशा में पहला कदम है।

अंडा खाने का शौक रखते हैं तो जान लीजिये ये बातें

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 नवम्बर। अंडा सेहत के लिए काफी गुणकारी माना जाता है और रोज अंडा खाने से शरीर को जरूरी तत्व मिल जाते हैं। कई लोग अंडा पकाकर खाते हैं। जबकि कुछ लोग कच्चा अंडा खाया करते हैं। न्यूट्रिशन स्पेशलिस्ट के अनुसार अंडे को हमेशा सही तरह से खाना चाहिए। क्योंकि गलत तरह से अंडा खाने से शरीर को नुकसान पहुंच सकता है। अगर आप अंडा खाते हैं, तो इसे खाते समय नीचे बताई गई गलतियां ना करें और हमेशा सही तरीक से ही अंडा खाया करें।

न्यूट्रिशन स्पेशलिस्ट के मुताबिक पुरुषों को 3 अंडे बिना योक के और 1 अंडा योक के साथ खाना चाहिए। जबकि महिलाओं को 1 अंडा योक के साथ और 1 अंडा बिना योक के खाना चाहिए। यानी पुरुषों को एक दिन में कुल चार अंडे खाने चाहिए। जबकि महिलाओं को दो अंडे अपनी डाइट में शामिल करने चाहिए। याद रखें कि अंडे गर्म होते हैं इसलिए अधिक अंडे ना खाएं।

कई लोगों को लगता है कि कच्चा अंडा सेहत के लिए उत्तम होता है। लेकिन न्यूट्रिशन स्पेशलिस्ट के अनुसार पका हुआ अंडा सेहत के लिए ज्यादा कारगर साबित होता है। इसलिए आप पका हुआ ही अंडा खाया करें। दरअसल जब अंडे को पकाया जाता है, तो उसमें प्रोटीन की मात्रा बढ़ जाती है। कच्चे अंडे को खाने से अंडे में मौजूद कुल प्रोटीन का सिर्फ 51% अवशोषित शरीर को मिल पाता है। जबकि इसे पकाकर खाने से शरीर को 91% तक का प्रोटीन मिलता है। दरअसल तापमान बढ़ने पर अंडों में मौजूद प्रोटीन का स्ट्रक्चर बदल जाता है। इतना ही नहीं पका हुआ अंडा आसानी से पच भी जाता है। जबकि कच्चा अंडा पकने में काफी समय लगता है।

कच्चा अड़ा खाने से शरीर को नुकसान पहुंचता है। क्योंकि कच्चे अंडों में कई तरह के बैक्टीरिया होते हैं जो कि सेहत के लिए अच्छे नहीं माने जाते हैं। इसलिए आप कच्चा अंडा खाने की जगह अंडे को पका कर ही खाएं।जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उन लोगों को अंडा उबालकर ही खाना चाहिए। लेकिन अंडे को उबालते समय आप बस इस बात का ध्यान रखें कि इसे आप ज्यादा देर के लिए या उच्च तापमान में ना पकाएं।

अंडे के अदंर प्रोटीन पाया जाता है और प्रोटीन युक्त खाना खाने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसलिए वजन कम करने के लिए अपनी डाइट में उबला हुआ अंडा जरूर शामिल करें। अंडे को हमेशा ब्राउन ब्रेड, दूध या रोटी के साथ ही खाएं। क्योंकि इन चीजों में कार्बोहाइड्रेट होता है और कार्बोहाइड्रेट प्रोटीन को अब्जॉर्ब करने का काम करता है। उबले हुए या पोच्ड अंडे में कैलोरी की मात्रा कम होती है और पौष्टिक तत्व ज्यादा होते हैं। वहीं अंडे को ओर हल्दी बनाने के लिए आप इसे बनाते समय उसमें सब्जियां भी डाल सकते हैं।

उत्तराखण्ड शासन
NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

"अब पुरुष निभाएंगे जिम्मेदारी
परिवार नियोजन अपनाकर
दिखाएंगे अपनी भागीदारी"

डॉ. धन सिंह रावत
स्वास्थ्य मंत्री, उत्तराखण्ड

पुरुष नसबन्दी
बिना टांका, बिना चीरा
(एन.एस.वी.)

पुरुष नसबन्दी पखवाड़ा

21 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022

एन.एस.वी. के फ़ायदे

- किसी भी तरह की कमजोरी या थकान नहीं होती।
- आप अगले दिन से काम पर जा सकते है।
- एन.एस.वी. में समय कम लगता है।
- यह एक स्थायी परिवार नियोजन उपाय है।
- एन.एस.वी. कराने पर पुरुष की मर्दानगी में कोई अन्तर नहीं आता है।
- आप एन.एस.वी. प्रक्रिया करवाने के आधे घन्टे के बाद अपने घर जा सकते है तथा 48 घन्टे के बाद सामान्य काम कर सकते हैं।

पखवाड़े के दौरान सरकारी चिकित्सालयों पर उपलब्ध सुविधाऐं

विशेष शिविरों का आयोजन

परिवार नियोजन पर आधारित जानकारी एवं परामर्श

स्वास्थ्य परीक्षण एवं निदान

सरकार द्वारा पुरुष नसबंदी हेतु लाभार्थी को ₹2000/- की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

अधिक जानकारी के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र या टोल फ्री नं. 104 पर सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

मॉर्निंग वॉक में मुख्यमंत्री धामी ने सरकार का फीडबैक जाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा, 20 नवम्बर। सीएम पुष्कर सिंह धामी अल्मोड़ा में मार्निंग वॉक के दौरान स्थानीय लोगों विशेष रूप से युवाओं से मिले और उनसे सरकार द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों का फीडबैक लिया। प्रातः काल भ्रमण के दौरान सीएम ने स्पोर्ट्स स्टेडियम में युवाओं के साथ दौड़ लगाई और बैडमिंटन भी खेला। इस दौरान युवा साथियों और स्थानीय लोगों से सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों का फीडबैक भी लिया।

सीएम धामी ने युवाओ से कहा कि अच्छा स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है। पढाई के साथ ही फिट रहना भी बहुत जरूरी है। खेल को हमें अपनी आदत में शामिल करना चाहिए। सीएम ने कहा कि हम सभी मिलकर ₹खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट₹ में पूरी तन्मयता के साथ शामिल होकर खेल के क्षेत्र में भी देश के अग्रणी राज्यों में शुमार होने का संकल्प लें।इस दौरान मुख्यमंत्री ने आम लोगों से भी मुलाक़ात कर उनका हाल-चाल जाना। सूबे के मुखिया को अपने बीच पाकर युवा बेहद उत्साहित नजर आए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जब भी जिलों के दौरों पर जाते हैं और रात्रि विश्राम वहीं करते हैं तो सवेरे मार्निंग वॉक पर जरूर जाते हैं। इस दौरान आम लोगो से मिलकर उनका हाल-चाल भी जानते हैं और सरकारी विकास योजनाओं व विकास कार्यों के बारे में फीडबैक भी लेते हैं।

सीएम धामी ने अल्मोड़ा में राजकीय पुस्तकालय का लोकार्पण किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा, 20 नवम्बर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 91.24 लाख रुपए की लागत से मॉल रोड अल्मोड़ा स्थित राजकीय पुस्तकालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने एन0सी0सी0 कैडटस तथा अन्य प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के साथ ''उत्तराखण्ड राज्य श्रेष्ठ राज्य'' विषय पर संवाद किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजकीय पुस्तकाल भ्रमण के दौरान वहॉ आये छात्र-छात्राओं से उनके शैक्षिक अनुभवों के बारे में चर्चा की तथा पुस्तकालय के संसाधनों को बारे में फीडबैक भी प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने टाटा के सीएसआर मद के माध्यम से रेडक्रास समिति अल्मोड़ा को दी गयी वैक्सीनेशन वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री धन सिंह रावत, कैनिनेट मंत्री रेखा आर्य, सासंद अजय टम्टा समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा जिलाधिकारी वंदना, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार राय, सीडीओ अंशुल सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

दिल्ली पहुँचे सीएम धामी ने छावला केस की पीड़िता के माता-पिता को दिया न्याय का भरोसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली, 20 नवंबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड सदन में छावला केस की पीड़िता के माता-पिता से मुलाकात कर कहा कि उत्तराखण्ड की बेटी को न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार हर सम्भव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू से भी बात की है। मामले से संबंधित वकील चारू खन्ना से भी पूरी जानकारी ली है। पूरा उत्तराखंड उनके साथ है। मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पूर्व उत्तराखण्ड की बेटी के पिताजी से फोन पर बात की थी और कहा था कि वे जल्द ही दिल्ली आकर उनसे मुलाकात करेंगे। आज मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में उत्तराखण्ड सदन में पीडिता के माता-पिता से मुलाकात कर कहा कि पीड़िता हमारे उत्तराखंड की बेटी है और उसे न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

वाहन स्क्रैपिंग सुविधाएं : कार चालकों के लिए अच्छी खबर, नितिन गडकरी की घोषणा से कार मालिक खुश हैं

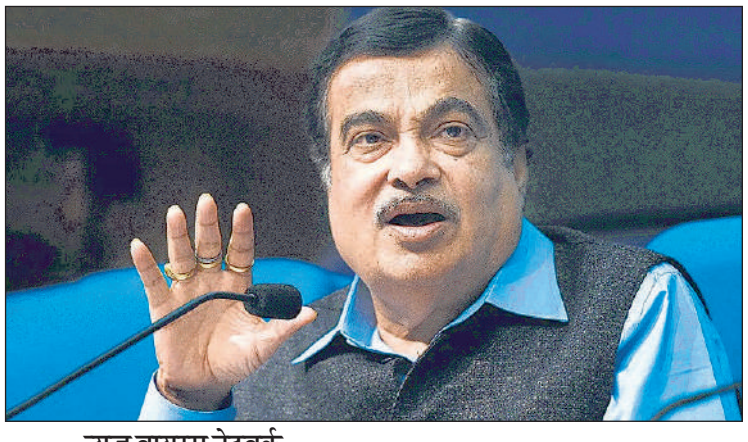

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार ने देश के हर जिले में कम से कम तीन पंजीकृत वाहन कबाड़ केंद्र खोलने की योजना बनाई है। गडकरी ने ऑटो पार्ट्स निर्माताओं की संस्था एसीएमए के सालाना कार्यक्रम में कहा कि रोपवे, केबल कार और फनीक्यूलर रेलवे के लिए सड़क मंत्रालय को 206 प्रस्ताव मिले हैं.एक साल पहले शुरू हुई वाहन कबाड़ नीति केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'सरकार हर जिले में तीन पंजीकृत वाहन कबाड़ सुविधाएं या केंद्र खोल सकती है।' पीएम मोदी ने पिछले साल अगस्त में राष्ट्रीय वाहन कबाड़ नीति की शुरुआत की थी और कहा था कि यह अप्रचलित और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के व्यवस्थित उन्मूलन में मदद करना।

भारत में वैश्विक सुरक्षा मानक अपनाएं

इसके अलावा नितिन गडकरी ने कहा कि भारत में ज्यादातर वाहन निर्माता पहले से ही छह एयरबैग वाली कारों का निर्यात कर रहे हैं. उन्हें भारत में भी कारों के लिए ऐसे सुरक्षा मानकों को अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वाहन निर्माताओं को छोटी सस्ती कारों का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सुरक्षा के बारे में सोचना चाहिए। एसीएमए के वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि करीब पांच लाख सड़क हादसों में हर साल 1.5 लाख लोगों की मौत होती है और तीन लाख से ज्यादा लोग घायल होते हैं.

लोगों के जीवन के बारे में क्यों नहीं सोचते?

उन्होंने कहा, 'भारत में ज्यादातर वाहन निर्माता छह एयरबैग वाली कारों का निर्यात कर रहे हैं। लेकिन, भारत में आर्थिक लागत के कारण वे हिचकिचा रहे हैं। गडकरी ने हैरानी जताई कि वाहन निर्माता भारत में सस्ती कारों का इस्तेमाल करने वाले लोगों के जीवन के बारे में क्यों नहीं सोच रहे हैं। मंत्री ने कहा कि देश में दुर्घटनाओं को कम करना समय की मांग है।

नथिंग फोन 1 फ्लिपकार्ट पर सिर्फ 6,500 में जानिए किधर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नथिंग फोन (1) अभी सस्ता हो गया है। यह ई-कॉमर्स साइट फ्लिपकार्ट पर 1,500 रुपये के फ्लैट डिस्काउंट के साथ उपलब्ध है। मूल रूप से 33,999 रुपये (आधार मूल्य) की कीमत वाला यह स्मार्टफोन अभी फ्लिपकार्ट पर 27,499 रुपये की रियायती कीमत पर उपलब्ध है। अगर आप नथिंग फोन (1) खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह आपको मिलने वाले सबसे अच्छे सौदों में से एक है।जैसा कि ऊपर बताया गया है, नथिंग फोन (1) का 8GB+128GB मॉडल 27,499 रुपये में बिक रहा है। इसी तरह, 8GB+256GB और 12GB+256GB वेरिएंट क्रमशः 30,400 रुपये और 32,499 रुपये में उपलब्ध हैं। साथ ही इसकी खरीदारी पर 16,799 रुपये तक का एक्सचेंज डिस्काउंट मिल रहा है।बैंक ऑफर्स में फेडरल बैंक क्रेडिट/डेबिट कार्ड पर ₹1,500 तक की 10% तत्काल छूट, ₹1500 तक और पंजाब नेशनल बैंक क्रेडिट कार्ड पर ₹1250 तक की 10% तत्काल छूट शामिल है। फ्लिपकार्ट एक्सिस बैंक कार्ड धारकों के लिए 5$ कैशबैक ऑफर है।

स्मार्टफोन को आसान ईएमआई विकल्पों पर भी खरीदा जा सकता है। स्टैंडर्ड ईएमआई और नो-कॉस्ट ईएमआई दोनों विकल्प उपलब्ध हैं।

नथिंग फोन (1) के लिए नो-कॉस्ट ईएमआई ₹4,584 प्रति माह से शुरू होती है। नथिंग फोन (1) के खरीदारों को डिस्कवरी+ सब्सक्रिप्शन पर 25% की छूट मिलेगी।नथिंग फोन (1) दो कलर ऑप्शन- ब्लैक और व्हाइट में पेश किया गया है। हैंडसेट एक अभिनव ग्लिफ़ इंटरफ़ेस के साथ आता है। यह 6.55-इंच फुल HD+ OLED डिस्प्ले के साथ 60Hz से 120 Hz एडेप्टिव रिफ्रेश रेट से लैस है। स्क्रीन

एचडीआर10+ है और कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 5 की परत के साथ आती है।कुछ भी स्मार्टफोन क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 778+ ऑक्टा-कोर प्रोसेसर द्वारा संचालित नहीं है और इसमें पीछे की तरफ डुअल 50 एमपी उन्नत सेंसर हैं, जिसमें प्रमुख कैमरा सोनी आईएमएक्स766 द्वारा संचालित है। फोन में नाइट मोड और सीन डिटेक्शन भी है।सेल्फी के लिए फ्रंट में 16MP का कैमरा है। बैटरी के मोर्चे पर, नथिंग फोन (1) के बारे में कहा जाता है कि यह हर चार्ज के साथ 18 घंटे तक का उपयोग करता है, और दो दिन स्टैंडबाय पर रहता है। फोन फास्ट चार्जिंग की पेशकश करता है और कहा जाता है कि यह केवल 30 मिनट के चार्ज में 0 से 50% तक चार्ज हो जाता है।

अब अर्थी को कन्धा और शवयात्रा में रोने के लिए चुकाने होंगे पैसे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजकल एक खास और अनोखे स्टार्टअप चर्चा में आ गया है, जिसके बारे में जानकर हर कोई हैरान है और सोशल मीडिया पर कुछ लोग तो इस पर मजे भी ले रहे हैं.आपने तरह-तरह की सर्विस के बारे में सुना होगा, लेकिन क्या कभी 'फ्यूनरल एंड डेथ सर्विस' के बारे में सुना है ? दरअसल, इसका मतलब होता है कि मरने के बाद इंसान के अंतिम संस्कार की सारी तैयारियां कंपनी ही करेगी. चाहे कंधा देने के लिए चार लोगों का इंतजाम करना हो या फिर पंडित-नाई की जरूरत हो, ये सारी व्यवस्थाएं कंपनी ही कराएगी. है ना यह अजीबोगरीब बात?

वैसे जापान या अन्य कई देशों में ये सर्विस आम है और अब भारत में भी इसकी शुरुआत हो रही है. जी हां, दिल्ली ट्रेड फेयर में आजकल एक खास और अनोखा स्टार्टअप चर्चा में आ गया है, जिसके बारे में जानकर हर कोई हैरान है और सोशल मीडिया पर कुछ लोग तो इसपर मजे भी ले रहे हैं. इस अनोखे स्टार्टअप का नाम है सुखांत फ्यूनरल मैनेजमेंट (सुखांत अंतिम संस्कार). ट्रेड फेयर में दिख रहे इस अनोखे स्टार्टअप की खास बात ये है कि यहां वो सारी वस्तुएं और व्यवस्थाएं मौजूद हैं, जो किसी इंसान के मरने के बाद काम आती हैं. स्टॉल पर सजी सजाई अर्थी पर उपलब्ध है. यह अनोखा स्टॉल व्यापार मेले में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है.

क्या-क्या कराएगी कंपनी ?

इस स्टार्टअप की खास बात ये है कि अर्थी को कांधा देने से लेकर, साथ में चलने वाले और राम नाम सत्य बोलने वाले और पंडित, नाई सब कंपनी की तरफ से ही होंगे. यहां तक कि मरने वालों की अस्थियों का विसर्जन भी कंपनी वाले ही करवाएंगे, यानी अंतिम क्रिया से जुड़ी जितनी भी चीजें हैं, वो सारी चीजें कंपनी की तरफ से ही उपलब्ध करवाई

जाएंगी. जानकारी के मुताबिक, लोगों के अंतिम संस्कार की सारी व्यवस्थाओं के बदले कंपनी ने 37,500 रुपये फीस रखी है.

लोग बता रहे नया स्टार्टअप

सुखांत फ्यूनरल मैनेजमेंट रेडीमेड अर्थी की सुविधा भी दे रहा है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं. इस अलग तरीके के प्रयोग को यूजर्स नया और अनोखा स्टार्टअप बता रहे हैं, साथ ही कुछ यूजर्स इसपर मजे भी ले रहे हैं.कोई कह रहा है कि 'मरने के बाद शव को जिस चीज की जरूरत होती है, वो सब मुहैया कराएगी.

समझ लीजिए मरने के बाद की मैनेजमेंट कंपनी है', तो कोई कह रहा है कि 'हे भगवान, यही देखना बाकी था. संयुक्त से एकल और अब एकल परिवार में भी अकेले रहने वाले लोगों तथा ऐसे समाज के लिए नया स्टार्टअप. जहां आपके शव को कंधा देने के लिए चार लोग भी इकट्ठा नहीं आए तो सुखांत फ्यूनरल मैनेजमेंट से संपर्क करें'.

10 साल पुराने ऑटो-विक्रम वाहन 31 मार्च के बाद होंगे बंद, ये होंगे बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राजधानी देहरादून में 10 साल पुराने ऑटो-विक्रम अगले साल 31 मार्च के बाद सड़कों से बाहर कर दिए जाएंगे। संभागीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) की बैठक में परिवहन विभाग की ओर से तैयार प्रस्ताव पर मोहर लग गई। निर्णय लिया गया कि बाकी बचे सभी डीजल वाले ऑटो-विक्रम 31 दिसम्बर 2023 के बाद नहीं चलेंगे।डीजल संचालित इन ऑटो-विक्रम की जगह सीएनजी की गाड़ियों का संचालन होगा। संभागीय परिवहन प्राधिकरण के अध्यक्ष व मंडलायुक्त सुशील कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में दून में प्रदूषण की बदहाल हो रही स्थिति पर पूर्व में शासन द्वारा अनुमोदित 18 स्टेट कैरिज रूटों पर पेट्रोल, बीएस वी-5, मानक सीएनजी, इलेक्ट्रिक सार्वजनिक वाहन के संचालन को लेकर निर्णय लिया गया। राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राजाजी नेशनल रिजर्व में जंगल सफारी के लिए सफारी गाड़ियों के लिए अतिरिक्त परमिट देने पर भी सहमति बनी।

निर्णय हुआ कि सभी ई-रिक्शा चालकों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। शासन से अनुमति के बाद झाझरा, सुधोवाला, प्रेमनगर से बल्लूपुर, घंटाघर, परेड मैदान, सर्वे चौक, लालपुर, रायपुर तक सिटी बस सेवा के लिए नया रूट चिह्नित करने के साथ गाड़ियों के नए परमिट जारी करने का निर्णय लिया गया। इसमें सिटी बसों के संचालक भी परमिट के लिए आवेदन कर सकेंगे।

बैठक में विक्रम, टेंपो वाहन को स्टेट कैरेज वाहन के परमिट जारी करने के साथ ही एमडीडीए, डालनवाला, द्वारिका स्टोर, तहसील चौक, रेलवे स्टेशन, आईएसबीटी, डॉट काली मंदिर मार्ग पर जारी सिटी बस सेवा परमिट के विरुद्ध धारा 88 की कार्रवाई और उक्त मार्ग पर हल्के चार पहिया वाहनों को परमिट जारी करने के संबंध में चर्चा हुई। दून में सिटी बसों में बुजुर्गों को अब खड़े होकर सफर नहीं करना होगा। इनके लिए सीटें आरक्षित होंगी। आरटीए की बैठक में निर्णय लिया गया कि सिटी बसों में महिला यात्रियों की तर्ज पर बुजुर्गों के लिए भी सीटें आरक्षित की जाएंगी। सफर के दौरान इन सीटों पर बैठे यात्रियों को बुजुर्गों के लिए सीटें खाली करनी होगी, जिसकी जिम्मेदारी चालक-परिचालक की होगी। सिटी बसों में बुजुर्गों के लिए सीटें आरक्षित करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी।

संभागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक में निर्णय लिया गया कि राजधानी के साथ ही हरिद्वार, ऋषिकेश, में सिटी बसों में दिव्यांग यात्रियों के लिए रैंप लगाए जाएंगे, ताकि दिव्यांग यात्री आसानी से बसों में सवार हो सकें। दून में स्मार्ट इलेक्ट्रिक बसों में दिव्यांग यात्रियों के लिए लो फ्लोर की सुविधा है।देहरादून-कालसी मार्ग पर नए सिरे से 15 बसों के संचालन के साथ ही रायपुर, लाडपुर, रिंगरोड, आईएसबीटी, शिमला बाईपास, बल्लीवाला, बल्लूपुर, प्रेमनगर तक सिटी बसों के लिए रूट तय किए गए। इस रूट पर संचालित बसों के परमिट हाईकोर्ट के आदेश पर निरस्त कर दिए गए थे।

नशामुक्त समाज बनाने में पुलिस का सहयोग कर अपनी भूमिका निभायें : श्वेता चौबे SSP पौड़ी

एसएसपी पौड़ी श्वेता चौबे के निर्देशन में नशा तस्करों कड़ा प्रहार जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री धामी के वर्ष-2025 तक उत्तराखण्ड को नशामुक्त ("ड्रग्स फ्री देवभूमि") बनाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक , जनपद पौड़ी गढ़वाल, श्वेता चौबे के निर्देशन में बढते नशे की प्रवृति पर अंकुश लगाने के लिये पौड़ी पुलिस द्वारा नशा तस्करों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है, नशा तस्करों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जा रही है। नशा तस्करों पर कार्यवाही करने के लिये *सूचना तन्त्र को मजबूत कर युवाओं को नशे के भंवर में फसाने वालों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जा रहा हैं।इसी कड़ी में के कोटद्वार पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत दौराने चैकिंग अभियुक्त नदीम एवं रोहन नेगी को बीएल रोड़ कोटद्वार के पास से 15.80 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। जिस सम्बन्ध में अभियुक्तों के विरूद्ध थाना कोटद्वार पर NDPS ACT के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि वह उक्त स्मैक को बरेली उ0प्र0 से किसी भाभी नामक महिला से खरीदकर कोटद्वार क्षेत्र में स्कूल एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं के बेचते थे।

कोटद्वार पुलिस ने की ताबड़तोड़ कार्यवाही, नशा तस्करों से रू 1,60,000/- की 15.80 ग्राम अवैध स्मैक बरामद

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय की जनता से अपीलः-

यदि किसी व्यक्ति को नशे के सम्बन्ध में कोई सूचना प्राप्त होती है कि कोई व्यक्ति नशे के कार्यों में संलिप्त रहता* है या कोई किसी सार्वजनिक स्थानों पर नशा कर रहा है तो उसकी सूचना तत्काल नजदीकी थाने, आपातकालीन नम्बर डायल-112 में देकर एक नशामुक्त समाज बनाने में पुलिस का सहयोग कर अपनी भूमिका निभायें।

10 मिनट नाखून रगड़ने से मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 नवम्बर । आजकल के समय में ऐसे बहुत से लोग हैं, जो अपने स्वास्थ्य के प्रति काफी सजग रहते हैं। वह अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए रोजाना ही नियमित रूप से व्यायाम करते हैं। इसके अलावा योगा आदि करके अपने शरीर को फिट रखने की पूरी कोशिश करते हैं। आप सभी ने ऐसे लोगों को भी देखा होगा जो अक्सर खाली समय में वह अपने नाखूनों को रगड़ते रहते हैं। शायद हो सकता है कि कुछ लोगों को यह एक्टिविटी आश्चर्यजनक लगती होगी। दरअसल, नाखूनों को रगड़ते को नेल रबिंग एक्सरसाइज या बालयाम योग कहा जाता है और इस योग को अपने ही कुछ आश्चर्यजनक लाभों के लिए जाना जाता है। दुनिया भर के योग गुरु नाखून रगड़ने की सलाह देते हैं।

नाख़ून रगडिये - फायदे देखिये

मौजूदा समय में लोगों की जीवनशैली बहुत खराब हो चुकी है। लोगों के पास खुद के लिए इतना समय नहीं होता है कि वह अपनी सेहत पर ध्यान रख पाएं। जंक फूड खाना, प्रोटीन और कैल्शियम की कमी होना, समय पर भोजन नहीं करना आदि बातों से कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं। व्यस्त जीवनशैली की वजह से बालों का कम उम्र में झड़ना, बालों का पतला होना, गंजापन और और असमय सफेद बालों की परेशानियां काफी मात्रा में सामने आने लगी हैं। अगर आप नाखूनों को रगड़ते हैं, तो इससे इन सभी परेशानियों से राहत मिल सकती है। तो चलिए जानते हैं आखिर इसके अन्य फायदे क्या-क्या है

नाखून रगड़ने के फायदे

1. नाखून रगड़ने की प्रक्रिया एक चायनीज एक्यूप्रेशर का हिस्सा होती है। इस क्रिया में दोनों हाथों के नाखूनों को आपस में रगड़ा जाता है। जब दोनों हाथों के नाखूनों को रगड़ते हैं तो इसकी वजह से जो घर्षण पैदा होता है और जो गर्मी पैदा होती है उससे आपके सिर के स्कैल्प पर प्रभाव पड़ता है।

2. जब हम अपने हाथों के नाखूनों को आपस में रगड़ते हैं तो इसकी वजह से स्कैल्प का रक्त संचार बढ़ने लगता है, जिसकी वजह से बाल झड़ने की समस्या कम हो जाती है। इतना ही नहीं बल्कि बाल दुगनी तेजी से भी बढ़ने लग जाते हैं।

3. आप इस क्रिया को रोजाना कम से कम 5 से 10 मिनट कर सकते हैं परंतु जो महिलाएं गर्भवती हैं, उनको इस बात का ध्यान रखना होगा कि उनको ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से गर्भाशय में संकुचन होने की संभावना रहती है, जो नुकसानदायक साबित होती है।

4. अगर आप नाखूनों को बार-बार रगड़ते हैं तो इससे चर्म रोग दूर हो सकता है।

5. अगर किसी व्यक्ति को एपेंडिसाइटिस और एंजियोग्राफी जैसी सर्जिकल समस्या है, तो ऐसी स्थिति में उनको नाखून रगड़ने का प्रयास भूलकर भी नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे धड़कन और उच्च रक्तचाप के लक्षण और गंभीर परिणाम होने की संभावना रहती है।

शानदार प्रयास : मास्टर जी ने स्कूल में शुरू किया कौन बनेगा सैकडापति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 20 नवम्बर। कौन बनेगा करोड़पति, टेलिविजन के इस पॉपुलर क्विज प्रोग्राम से करोड़ों लोग परिचित हैं. इसी लोकप्रिय कार्यक्रम को आधार बनाकर महाराजगंज के एक स्कूल के शिक्षक ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार के लिए 'कौन बनेगा सैकड़ापति' का आयोजन किया.

उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर कई नकारात्मक बातें आप कह-सुन सकते हैं. लेकिन, कई बार ऐसी खबरें भी सामने आती हैं जो अत्यंत प्रशंसनीय होते हैं. ऐसा ही समाचार महाराजगंज से सामने आया है जिसमें विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण को लेकर शिक्षक का समर्पण साफ नजर आ रहा है. दरअसल, निचलौल तहसील के प्राथमिक विद्यालय, रौतार के एक सहायक अध्यापक जावेद आलम ने 'कौन बनेगा करोड़पति' की तर्ज पर विद्यालय में 'कौन बनेगा सैकड़ापति' कार्यक्रम का आयोजन किया. इसकी खबर सोशल मीडिया में आने के बाद लोग शिक्षक की काफी प्रशंसा कर रहे हैं.

'कौन बनेगा सैकड़ापति' का उद्देश्य विद्यालय में बच्चों को हिंदी अंग्रेजी, गणित और विज्ञान विषय के जानकारी के साथ-साथ खेल-खेल में उच्चस्तरीय जानकारियां देना है. सरकारी स्कूल के एक शिक्षक के द्वारा छात्रों के शिक्षा के स्तर में सुधार लाने का यह नायाब प्रयास है. यहां टीचर बच्चों को मशहूर टीवी सीरियल 'कौन बनेगा करोड़पति' की तरह ही 'कौन बनेगा सैकड़ापति' में हॉट सीट पर बैठाकर उनके सब्जेक्ट और जनरल नॉलेज के सवाल पूछते हैं. सही जवाब बताने पर 10 से 100 रुपये तक की धनराशि भी देते हैं.

शिक्षा के स्तर में सुधार लाने के कई प्रयास सामने आते हैं, जिसमें शिक्षकों का भी काफी योगदान रहता है. कुछ ऐसा ही प्रयास महाराजगंज जिले के एक सरकारी स्कूल के शिक्षकों द्वारा देखा जा रहा है. यहां टीचर बच्चों को मशहूर टीवी सीरियल "कौन बनेगा करोड़पति" के तर्ज पर हॉट सीट पर बैठाकर उनके सब्जेक्ट और जनरल नॉलेज के सवाल पूछते हैं. सही जवाब बताने पर धनराशि भी देते हैं.

10 रुपये से लेकर 100 रुपये तक का है इनाम

'कौन बनेगा सैकड़ापति' में शिक्षक बच्चों से सवाल पूछते हैं. सही जवाब देने पर 10 रुपये से लेकर 100 रुपये तक का इनाम दिया जाता है. इसके साथ ही विद्यालय के क्लासरूम में 'जादू' भी आता है, जो बच्चों से सवाल-जवाब करता है. शिक्षक के इस प्रयास से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ने के साथ ही उनका बौद्धिक विकास और ज्ञान भी बढ़ रहा है.

अब ड्राइविंग लाइसेंस के लिए नहीं देना पड़ेगा टेस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 नवम्बर। ड्राइविंग लाइसेंस बनवा रहे हैं तो आपको बार-बार आरटीओ ऑफिस के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे. यही नहीं आपको ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अलग से कोई टेस्ट भी नहीं देना होगा.अगर आप अपना ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना चाहते हैं तो अब आप बिना टेस्ट दिये ही आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस बनवा सकेंगे. भारत में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना सबसे चुनौतीपूर्ण काम में से एक हैं. इसलिए इसे बनवाने के लिए लोगों को कई बार ड्राइविंग टेस्ट (Driving Test) से गुजरना पड़ता है. इसी को देखते हुए अब ड्राइविंग लाइसेंस (Driving License) से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया गया है. अगर आप ड्राइविंग लाइसेंस बनवा रहे हैं तो आपको बार-बार आरटीओ ऑफिस के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे. यही नहीं आपको ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अलग से कोई टेस्ट भी नहीं देना होगा. ड्राइविंग लाइसेंस के इस नए नियमों से आम जनता को काफी राहत मिलेगी.

ऐसे सीख सकते हैं ड्राइविंग

केंद्रीय सड़क, राजमर्ग और परिवहन मंत्रालय द्वारा लागू नए नियमों के मुताबिक ड्राइविंग परमिट के लिए अब आप ड्राइविंग स्कूल जा सकते हैं. ड्राइविंग स्कूल में आप अपना नाम दर्ज करवाएं. स्कूल में दाखिला लेकर ड्राइविंग सीख सकते हैं. इसके बाद आपको परीक्षा के आधार पर ड्राइविंग स्कूल से एक सर्टिफिकेट दिया जाएगा. इस सर्टिफिकेट को परमिट पेपर के साथ रखना होगा. इसके बाद आपको किसी भी

तरह के ड्राइविंग टेस्ट से नहीं गुजरना पड़ेगा. इससे आपको आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस मिल जाएगा. इससे न सिर्फ आपका वक्त बचेगा, साथ ही लंबी लाइन में खड़े होने से राहत मिलेगी.

Driving Licence New Rules इन बातों का रखें ध्यान -

ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए आपको किसी मान्यता प्राप्त ड्राइविंग स्कूल से ट्रेनिंग लेनी होगी.ध्यान रहे कि ड्राइविंग स्कूल की वैधता पांच साल से अधिक होनी चाहिए.ड्राइविंग स्कूल द्वारा आयोजित की गई परीक्षा को पास करना होगा. यहां से आपको सर्टिफिकेट मिल जाएगा.सर्टिफिकेट के आधार पर आरटीओ के द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस आपको जारी कर दिया जाएगा.ड्राइविंग स्कूल के पाठ्यक्रम में सड़क शिष्टाचार, रोड रेज, यातायात से जुड़े नियम, फर्स्ट एड, दुर्घटना के कारण और गाड़ी चलाने के समय माइलेज जैसी चीजों को शामिल करना होगा. कोर्स का थ्योरी पार्ट आठ घंटे तक चलेगा.

फेसबुक ने हटाई अपने ये फीचर्स, जानिए क्या है वो

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

फेसबुक उपयोगकर्ता प्रोफाइल से चार अलग-अलग सूचना क्षेत्रों को हटाने की योजना बना रहा है। मेटा के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने कथित तौर पर अपने उपयोगकर्ताओं को उन सूचना क्षेत्रों के बारे में सूचित करना शुरू कर दिया है जो अगले महीने से उनके खातों से हटा दिए जाएंगे। इस बदलाव को सबसे पहले सोशल मीडिया सलाहकार मैट नवरा ने देखा, जिन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट से फेसबुक नोटिस के स्क्रीनशॉट साझा किए। फेसबुक ने यह भी खुलासा किया है कि ये बदलाव 1 दिसंबर से यूजर्स के अकाउंट में दिखना शुरू हो जाएंगे।

नोटिस के अनुसार, कंपनी जिन सूचना क्षेत्रों को हटाने की योजना बना रही है उनमें पते, धार्मिक विचार, राजनीतिक विचार और स्इच्छुकस् अनुभाग शामिल हैं जो उपयोगकर्ता के यौन अभिविन्यास का सुझाव देते हैं। कंपनी कथित तौर पर ये नोटिस उन यूजर्स को भेज रही है, जिन्होंने अपने अकाउंट में इन सेक्शन को पहले ही भर दिया है। हालांकि, यह परिवर्तन शेष डेटा के साथ-साथ अन्य संपर्क विवरण और उपयोगकर्ता की मूलभूत जानकारी को प्रभावित नहीं करेगा।

फेसबुक इन सूचना क्षेत्रों को हटाने की योजना क्यों बना रहा हैटेकक्रंच को दिए गए एक बयान में फेसबुक के प्रवक्ता ने बताया है कि कंपनी ने इस तरह के बदलाव करने का फैसला क्यों किया है। बयान के अनुसार, कंपनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को स्नेविगेट करने और उपयोग करने में आसानस् बनाने की योजना बना रही है और ऐसा करने के लिए इन परिवर्तनों की आवश्यकता है। प्रवक्ता ने यह भी उल्लेख किया है कि ये परिवर्तन फेसबुक पर कहीं और अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने के लिए उपयोगकर्ताओं की क्षमताओं को प्रभावित नहीं करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, फेसबुक तुलनात्मक रूप से पुराने फीचर्स को हटाकर सोशल मीडिया

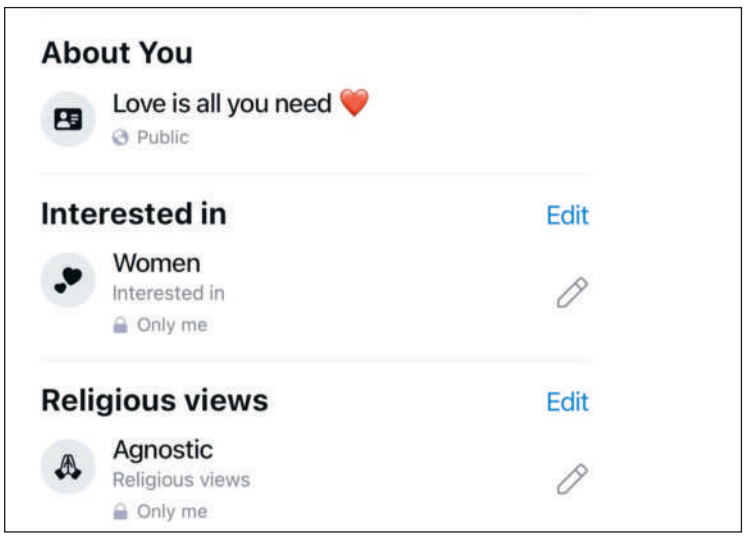

प्लेटफॉर्म को कारगर बनाने की कोशिश कर रहा है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि फेसबुक ने जिन सूचना क्षेत्रों को हटाने का फैसला किया है, वे अन्य सोशल मीडिया आउटलेट्स द्वारा पेश नहीं किए जाते हैं।उदाहरण के लिए, टिकटॉक और इंस्टाग्राम भी उपयोगकर्ताओं को कुछ व्यक्तिगत जानकारी जोड़ने देते हैं लेकिन इसमें राजनीतिक या धार्मिक विचारों जैसे विशिष्ट विवरण शामिल नहीं होते हैं। पहले, सोशल मीडिया उपयोगकर्ता अपने बारे में अतिरिक्त जानकारी के साथ अपनी प्रोफाइल भरने में रुचि रखते थे। हाल के डेटा लीक और गोपनीयता के उल्लंघन को ध्यान में रखते हुए, सोशल मीडिया उपयोगकर्ता आजकल अतिरिक्त विवरण ऑनलाइन साझा करने में सहज नहीं हो सकते हैं।हाल ही में, मेटा ने 11,000 नौकरियों में कटौती की है जो कंपनी के संपूर्ण कार्यबल का लगभग 13% है। नौकरी में कटौती ने सोशल मीडिया जायंट के इतिहास में सबसे बड़ी छंटनी को चिह्नित किया।

संपादकीय

सावरकर को कोसने के मायने

स्वतंत्रता संघर्ष में कौन बड़ा क्रांतिकारी था और कौन छोटा देशभक्त सेनानी था, किसने जेल से ब्रिटिश, साम्राज्यवादी हुकूमत के नाम माफीनामे लिखे या किसने खुद को गोरी सरकार का 'आज्ञाकारी' (ओबेडिएंट) माना अथवा माफीनामे भी क्रांति और संघर्ष की एक रणनीति थी, ताकि उपनिवेशवादी सत्ता को उखाड़ कर देश के बाहर किया जा सके, किसकी क्रांति के तेवर 'गरम' थे या कौन 'नरम तेवरों' के साथ अहिंसक आंदोलन के पक्षधर थे, आज आज़ादी के 75 साल बाद ऐसे असंख्य सवालों की प्रासंगिकता और उनके मायने क्या हैं? स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान असंख्य, अनाम चेहरों ने भी ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ क्रांति और बग़ावत की लौ जलाए रखी होगी, वे 'शहीद' भी हुए होंगे, उनके नाम 'बोल्ड अक्षरों' में इतिहास में दर्ज नहीं हैं, क्या ऐसे चेहरे देशभक्त स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे? वे इतिहास के लिए नहीं, भारत की आज़ादी के लिए लड़े, क्या आज उनका जिक्र कांग्रेस या कोई अन्य राजनीतिक दल करता है? क्या राहुल गांधी वाली पीढ़ी को उनके ज़िन्दगीनामों या क्रांति के सफरनामों की थोड़ी-सी भी जानकारी है? असंख्य क्रांतिकारी होंगे, जिन्हें स्वतंत्र भारत की सत्ता में भी पेंशन तक नसीब न हो, उनका संज्ञान क्यों न लिया जाए? इस मुद्दे पर बहस छेडने या राजनीति करने से क्या हासिल होगा कि विनायक दामोदर सावरकर ने जेल से छूटने के लिए अंग्रेजी हुकूमत को 1911, 1913, 1914, 1918 और 1920 में पांच माफीनामे लिखे थे? कोई एक चि_ी लहरा देने से सावरकर अंग्रेजों के पि_ू और देशद्रोही करार नहीं दिए जा सकते। यह हरकत राहुल गांधी ही कर सकते थे, लिहाजा उन्होंने ऐसा किया है। उन्होंने सावरकर को अंग्रेजों का 'नौकर' और 'डरपोक' तक माना है। महात्मा गांधी ने एक अख़बार में 26 मई, 1920 को लिखा था कि सावरकर चतुर, बहादुर और देशभक्त हैं, लिहाजा उन्हें माफी दी जानी चाहिए। गांधी लंदन में सावरकर से मिले थे और उनकी क्रांति की सराहना की थी। देश की आज़ादी के बाद प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी ने सावरकर को 'भारत मां का सच्चा सपूत' कहा था। क्या राहुल गांधी अपने पुरखों की टिप्पणियों से भिन्नता रखते हैं? चूंकि राहुल गांधी को इतिहास से कोई सरोकार नहीं है और न ही गहन अध्ययन है, लिहाजा उन्हें यह जानकारी कैसे होती कि महात्मा गांधी भी, सावरकर तथा अन्य की भांति, ब्रिटिश सरकार को लिखे पत्रों में 'ओबेडिएंट' (आज्ञाकारी) शब्द का इस्तेमाल करते थे। शिष्टाचार के भी मायने होते हैं। महान क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल को फांसी की सजा सुनाई गई थी, तो उन्होंने और तत्कालीन स्वतंत्रता सेनानियों ने अदालत से लेकर वॉयसरॉय तक दया-याचिका दी थी और हुकूमत को आश्वस्त करने की कोशिश की गई थी कि वह भविष्य में बग़ावत के ऐसे कारनामे नहीं करेंगे।

53वे अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में राज्य का प्रतिनिधित्व करने गोवा पहुंचे अभिनव कुमार, विशेष प्रमुख सचिव सूचना और डॉ नितिन उपाध्याय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गोवा, 20 नवम्बर। गोवा में 53वे अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का शुभारम्भ केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, केंद्रीय राज्यमंत्री सूचना एवं प्रसारण डॉ. एल. मुरुगन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा गोवा में 53वें अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन 20 से 28 नवम्बर, 2022 तक किया जा रहा है।

इस अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में लगभग 79 देशों के साथ ही भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।

इस महोत्सव में उत्तराखण्ड द्वारा भी प्रतिभाग किया जा रहा है, जिसमे राज्य का प्रतिनिधित्व अभिनव कुमार, विशेष प्रमुख सचिव सूचना द्वारा किया जा रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस महत्वपूर्ण आयोजन से उत्तराखण्ड के नैसर्गिक प्राकृतिक सौन्दर्य एवं पर्यटन स्थलों की पहुंच देश व दुनिया तक पहुंचेगी तथा राज्य में फिल्म एवं पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। साथ ही देश के फिल्मकार फिल्मों की शूटिंग के लिये उत्तराखण्ड के प्राकृतिक सौन्दर्य के प्रति और अधिक आकर्षित होंगे।

इस महोत्सव में मंगलवार 22 नवंबर 2022 को उत्तराखंड राज्य की फ़िल्म नीति पर चर्चा की जाएगी। इस परिचर्चा में केंद्रीय फ़िल्म बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी भी प्रतिभाग करेंगे। फ़िल्म महोत्सव में सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग के उप निदेशक/नोडल अधिकारी उत्तराखण्ड फिल्म विकास परिषद डॉ. नितिन उपाध्याय द्वारा भी प्रतिभाग किया जा रहा है।

उत्तराखंड कांग्रेस : लंबे इंतजार के बाद घोषित हुए जिला और महानगर अध्यक्षों के नाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 नवम्बर। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठनात्मक जिला एवं महानगर इकाइयों के कार्यकारी अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। प्रदेश के संगठनात्मक 26 जिलों में से 17 में नए नामों की घोषणा की गई है, जबकि बाकी नौ जिलों में पहले से कार्यरत जिलाध्यक्ष व महानगर अध्यक्ष कार्य करते रहेंगे। देहरादून महानगर कांग्रेस की कमान कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर जसविंदर सिंह गोगी को सौंपी गई है।

उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन मथुरादत्त जोशी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन महारा की ओर से केंद्रीय नेतृत्व के अनुमोदन के बाद यह सूची जारी की गई है। जारी सूची के अनुसार, जिला कांग्रेस कमेटी अल्मोड़ा में भूपेंद्र सिंह भोज, बागेश्वर में भगत सिंह डसीला, डीडीहाट में मनोहर टोलिया, चमोली में मुकेश नेगी, पछवादून में लक्ष्मी अग्रवाल को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसी तरह से महानगर कांग्रेस कमेटी हरिद्वार में सतपाल ब्रहमचारी, हरिद्वार ग्रामीण में राजीव चौधरी, रुड़की ग्रामीण में विधायक विरेंद्र जाति, नैनीताल में राहुल छिमवाल, पिथौरागढ में अंजु लुंठी, रुद्रप्रयाग में कुंवर सिंह सजवाण, काशीपुर में मुशर्रफ हुसैन, रुद्रपुर में सीपी शर्मा, ऊधमसिंह नगर में हिमांशु गाबा, उत्तरकाशी में मनीष राणा और पुरोला में दिनेश चौहान को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

चौबट्टाखाल को महाराज ने भेंट की 30 करोड़ की योजनायें

महाराज ने अपने विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल को फिर दी 20 करोड़ की सौगात

रसिया महादेव पर्यटक आवास गृह का शिलान्यास व लाखों की मैठाणाघाट-रसिया महादेव पंपिंग पेयजल योजना का किया भूमि पूजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बीरोंखाल (पौडी), 20 नवम्बर। उत्तराखंड विषम भौगोलिक परिस्थिति वाला क्षेत्र है, यहां समस्याएं भी अधिक हैं। यह हिमालयी क्षेत्र है इसलिए यहां हिमालय जैसी विकट समस्याएं भी हैं। उन सब के निदान के लिए हमारी सरकार लगातार प्रयासरत है।

पर्यटन के क्षेत्र में हम आगे बढ़ रहे हैं लोक निर्माण विभाग सड़कों के निर्माण में लगा है और प्रदेश में सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का अभियान लगातार चल रहा है।उक्त बात प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने अपने विधानसभा क्षेत्र भ्रमण के दूसरे दिन 20 करोड़ की धनराशि की कई योजनाओं की सौगात देते हुए एक कार्यक्रम के दौरान कहीं।

प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र भ्रमण के दूसरे दिन राजकीय इंटर कॉलेज आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि प्रदेश में पंचायतें मजबूत हों। इसी कड़ी में हमने ग्राम प्रधानों को 10-10 हजार की राशि मुहैया करवाने का निर्णय लिया है ताकि आपदा के समय पहली मदद वह पहुंचा सके। कार्यक्रम के दौरान उन्होने बीरोंखाल इंटर कॉलेज में 77.27 लाख की धनराशि से निर्मित होने वाले कक्षा कक्षों, 21.27 लाख से बनने वाली प्रयोगशाला, राजकीय इंटर कॉलेज स्यूसी में 65.96 लाख की लागत से निर्मित होने वाले कक्षा कक्षों, 224.24 लाख से बनने वाले राजकीय इंटर कॉलेज घोड़ीयानाखाल के विद्यालय भवन, राजकीय इंटर कॉलेज वेदीखाल में 40.04 लाख की धनराशि से निर्मित होने वाले कक्षा कक्षों का शिलान्यास करने करने के साथ साथ उन्होने डॉक्टर शिवानंद नौटियाल राजकीय महाविद्यालय वेदिखाल, परिसर में पहुंचकर महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका का भी विमोचन किया। इस दौरान श्री महाराज ने 15 हजार रुपये से कम आय वालों को हो रही राशन कार्ड संबंधित समस्याओं का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को जल्द से जल्द इसके निराकरण करने और प्रमाण पत्र बनाने के भी निर्देश दिए।

राजकीय इंटर कॉलेज बीरोंखाल और वेदीखाल में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत करने के पश्चात मंत्री महाराज ने रसिया महादेव पहुंचकर 385.96 लाख की लागत से रसिया महादेव में बनने वाले पर्यटक आवास गृह के शिलान्यास के साथ साथ 1088.61 लाख रुपये की मैठाणाघाट-रसिया महादेव पंपिंग पेयजल योजना का भूमि, राजकीय इंटर कॉलेज सुंदरनगर में 73.82 लाख की धनराशि से बनने वाले कक्षा कक्षों, राजकीय प्राइमरी विद्यालय नागड़ी के 21.36 लाख की लागत से निर्मित होने वाले भवन का शिलान्यास भी किया।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शांती देवी, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुयश रावत, बीरोंखाल भाजपा मंडल अध्यक्ष यशपाल गोरला, मंडल महामंत्री मुकेश पोखरियाल, ओमपाल सिंह, ध्यान पाल गुसाई, प्रेमसिंह नेगी, पाती राम ढौंडियाल, दर्शन सिंह रिंगोड़ा, महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष सुभद्रा देवी, दीप्ति प्रकाश, राकेश, प्रकाश, हर्षपाल सिंह, सत्येन्द्र ढौंडियाल, श्रीमती सुमित्रा, यशपाल सिंह, गणेश, सभी शक्ति केंद्रों के संयोजक, सहित विद्यालयों के प्रधानाचार्य और अधिकारी उपस्थित रहे।

25 महिला शिक्षिकाओं का सम्मान : महिला सशक्तिकरण को प्रणाम : सूर्यकांत धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 नवम्बर। भारत की आयडल लेडी और पीएम इंदिरा में बचपन से ही देशप्रेम और देशवासियों के लिए संवेदनशील भावनायें घर के परिवेश में मिली थी। देश भक्ति के संस्कार, 13 वर्ष की आयु में जुड़ गईं थी स्वतंत्रता संग्राम में जुट गई थी। ये बातें उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सूर्यकांत धस्माना ने कही है। देश की पहली व अब तक कि एक मात्र महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी की 105 वीं जयंती के अवसर पर मंगला देवी इंटर कालेज में महिला शशक्तिकरण एवं सम्मान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व प्रबंध समिति के अध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने स्कूल की सीनियर, जूनियर व प्राइमरी की 25 महिला शिक्षिकाओं व 5 महिला कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी देश ही नहीं दुनिया की महिलाओं के लिए प्रेरणा की स्रोत थीं व हमेशा रहेंगी। उन्होंने कहा कि श्रीमति इंदिरा गांधी को देश भक्ति व राष्ट्रप्रेम के संस्कार अपने माता पिता व दादा से मिले थे और जब वे छोटी बच्ची थीं तभी उन्होंने बाल सेना व वानर सेना का गठन कर स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय योगदान दिया और जब वे ऑक्सफ़ोर्ड विवि से उच्च शिक्षा ग्रहण कर 1941में भारत लौटीं तो वे फिर सक्रिय रूप से स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गई।

धस्माना ने कहा कि इंदिरा जी ने देश की आज़ादी कि बाद अपने पिता प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु के सहायक के रूप में काम करना सीखा और उनकी योग्यता को देखते हुए देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने उनको अपनी कैबिनेट में स्थान दे कर उनको देश का सूचना प्रसारण मंत्री बनाया और शास्त्री जी की मृत्यु के बाद जब इंदिरा जी को देश का तीसरा प्रधानमंत्री बनाया तो शुरू में राजनैतिक क्षेत्र में लोगों ने उनको हल्के में लिया लेकिन जब उन्होंने देश में पिरवीपर्स खत्म किया और बैंकों के राष्ट्रीयकरण का फैसला लिया टाब लोगों ने उनका लोहा माना। सीनियर कांग्रेस लीडर धस्माना ने कहा कि 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में इंदिरा जी के कुशल नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर 1 लाख पाक सैनिकों से आत्मसमर्पण करवाया तो देश की संसद में तब के नेता विपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी जी ने उनको माँ दुर्गा की संज्ञा दी। कांग्रेसी नेता धस्माना ने कहा कि इंदिरा जी मरते दम तक भारत की एकता अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रहीं व 31 अक्टूबर 1984 को जब उनके ही सुरक्षाकर्मियों द्वारा उनको गोलियों से छलनी कर दिया गया उससे कुछ दिन पहले उन्होंने अपने एक भाषण में कहा था कि चाहे उनकी जान भी चली जाय तब भी उनके खून का एक एक कतरा देश के काम आएगा।

इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष डॉक्टर सुनील अग्रवाल ने कहा कि इंदिरा जी में निर्णय लेने की अदभुत क्षमता थी व देश में जब उन्होंने गरीबी हटाओ का नारा दिया तो उससे देश के गरीबों के लिए तमाम कल्याण कारी योजनाएं शुरू हुईं जिसके परिणामस्वरूप कमजोर लोगों के उत्थान की शुरुआत हुई। इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष लोकेश बहुगुणा, प्रधानाचार्य श्रीमती गायत्री रावत , प्रवक्ता कुलदेही रावत, प्रवक्ता दिव्यांशु नौटियाल, श्रीमती मधु रावत,श्रीमति अंजुल बहुगुणा,श्रीमती शालिनी समेत स्कूल के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता श्री कपूर सिंह पंवार ने किया। इस अवसर पर सूर्यकांत धस्माना द्वारा स्कूल की सभी 25 महिला शिक्षिकाओं व अन्य शिक्षक व कर्मचारियों को उपहार व मिष्ठान वितरित किये व सभी छात्र छात्राओं को चॉकलेट वितरित की गई।